मध्य प्रदेश भगवान कृष्ण से जुड़े स्थलों का वकिास करेगा

चर्चा में क्यों?

'राम वन गमन पथ' को वकिसति करने की योजना की घोषणा के बाद, मध्य प्रदेश सरकार राज्य में भगवान कृष्ण से जुड़े स्थानों को भी वकिसति करेगी।

- माना जाता है कि 'राम वन गमन पथ' वह मार्ग है जिसे **भगवान राम ने वन में वनवास के लिये जाते समय अपनाया था।**

मुख्य बिंदु:

- मुख्यमंत्री ने पर्यटन **एवं संस्कृति विभाग** के अधिकारियों से कहा कि राज्य में **भगवान श्रीकृष्ण** के भ्रमण स्थलों पर तीर्थयात्रियों के लिये भी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँ।
  - **भगवान कृष्ण मथुरा से** उज्जैन राज्य में गए और **ऋषि सांदीपनि के आश्रम में रहे** जहाँ उन्होंने विभिन्न कलाएँ सीखीं तथा वेदों का अध्ययन किया।
  - धार ज़िले के अमझेरा स्थित नारायण धाम और उज्जैन ज़िले की महिदपुर तहसील का भी विशेष धार्मिक महत्त्व है।
  - **अमझेरा** में **शैव और वैष्णव संप्रदाय** के कई प्राचीन मंदिर हैं तथा यह **भगवान कृष्ण एवं रुक्मणी से जुड़ा हुआ है।**
  - **नारायण धाम में विश्व का एकमात्र मंदिर है** जहाँ भगवान कृष्ण **अपने मित्र सुदामा के साथ** नज़र आते हैं।
- **बेहतर सुविधाओं और बुनियादी ढाँचे** से इन स्थानों पर **पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं** का प्रवाह बढ़ेगा।
- निकट भविष्य में आम लोगों को शामिल करके **अंतर्राष्ट्रीय गीता और रामायण महोत्सव** आयोजित किया जा सकता है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था की सहायता के लिये देवी-देवताओं की लघु मूर्तियों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-to-dvelop-sites-associated-with-lord-krishna